



विद्यासागर विश्वविद्यालय
VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2022

(Under CBCS Pattern)

Semester - IV

Subject : SANSKRIT

Paper : DSC 1D/2D - T

SANSKRIT GRAMMAR

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

1. एतेषु पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः ।

2×5=10

(क) ककार-शकारयोः उच्चारणस्थानं किम् ?

(ख) स्पर्शवर्णाः कतिविधाः ? के च ते ?

(ग) अल् इत्यनेन किम् बोध्यते ? 'तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य' इति सूत्रे 'तस्मिन्' इति पदस्य अर्थः कः ?

(घ) विसर्जनीयसंज्ञाविधायकं सूत्रं किम् ? विप्रतिषेधे किं कर्तव्यम् ?

(ङ) सन्धिं करोतु कयोरपि द्वयोः

(अ) उप + इन्द्रः (आ) तत् + शिवः (इ) उद् + स्थानम् (ई) अहः + अहः

P.T.O.

(च) सन्धिविच्छेदं करोतु कयोरपि द्वयोः—

(अ) विष्णुस्त्राता (आ) पुंस्कोकिलः (इ) ब्रह्मर्षिः (ई) दैत्यारिः ।

(छ) अधिकरणकारके अपादानकारके च का विभक्तिः भवति ।

(ज) नमस्-शब्दयोगे का विभक्तिः भवति ? अपायशब्दस्य अर्थः कः ?

2. एतेषु चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः ।

5×4=20

(क) वाह्यप्रयत्नसम्बन्धे संक्षेपेण लेखनीयम् ।

(ख) चतुर्दशमाहेश्वरसूत्राणि क्रमेण लिखितव्यानि ।

(ग) 'एचोऽयवायावः' इति सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्या कार्या ।

(घ) निम्नलिखितेषु प्रयोगेषु सन्धिकार्यं कुर्वन्तु :

(अ) महा + ऋषिः (आ) पूर्णः + चन्द्रः (इ) तत् + मात्रम्

(ई) मनस् + रथः (उ) पृथ्वी + ईश्वरः ।

(ङ) 'षष्ठीशेषे' इति सूत्रे शेष-शब्दस्य अर्थः कः ? सम्बन्धमात्रविवक्षायाम् अपरेषु कारकेषु षष्ठीविभक्तिः स्यादिति सोदाहरणम् आलोच्यताम् ।

(च) अधिकरणम् कतिविधम् ? प्रत्येकस्य सोदाहरणं संक्षेपेण व्याख्या कार्या ।

3. निम्नेषु प्रश्नत्रयं समाधेयम् ।

10×3=30

(क) अकारस्य अष्टादशभेदाः कथं सम्भवेदिति ससूत्रं सोदाहरणम् आलोच्यताम् ।

(ख) लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं प्रगृह्यसंज्ञाविषये नातिदीर्घा आलोचना कार्या ।

(ग) क्रियायां स्वातन्त्र्येण विवक्षितार्थस्य का संज्ञा स्यात् ? लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं 'प्रातिपदिकार्थ-लिङ्गपरिमाणवचनामात्रे प्रथमा', इति प्रथमाविभक्तिविधायकस्य सूत्रस्य व्याख्यां लिखत ।

(घ) 'अकथितं च' इति सूत्रस्य उदाहरणसहव्याख्या करणीया ।

(ङ) लघुसिद्धान्तकौमुद्यनुसारं 'स्तोः श्रुना श्रुः', 'ष्टुना ष्टुः' चति सूत्रद्वयोः व्याख्या कार्या ।

বঙ্গানুবাদ

১। নীচের যেকোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

২×৫=১০

(ক) ককার-শকারের উচ্চারণস্থান কি?

(খ) স্পর্শবর্ণ কটি ও কি কি?

(গ) অন্ এই পদের দ্বারা কি বোঝা? 'তস্মিন্মিতি নির্দিষ্ট পূর্বস্য' এই সূত্রে 'তস্মিন্' পদের অর্থ কি?

(গ) বিসর্জনীয় (বিসর্গ) সংজ্ঞা বিধায়ক সূত্রটি কি? বিপ্রতিষেধে কি করা উচিত?

(ঘ) সন্ধি করো যে কোনো দুটি :

(অ) উপ + ইন্দ্রঃ (আ) তৎ + শিবঃ (ই) উদ্ + স্থানম্ (ঈ) অহঃ + অহঃ

(ঙ) সন্ধি করো যে কোনো দুটি :

(অ) বিস্মুজ্ঞাতা (আ) পুংস্কোকিলঃ (ই) ব্রহ্মর্ষিঃ (ঈ) দৈত্যারিঃ।

(চ) অধিকরণকারকে ও অপাদান কারকে কি কি বিভক্তি হয়?

(ছ) নমস্ শব্দের যোগে কি বিভক্তি হয়? অপায় শব্দের অর্থ কি?

২। নীচের যেকোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

৫×৪=২০

(ক) বাহ্যপ্রযত্নসম্বন্ধে সংক্ষেপে লেখ।

(খ) ১৪টি মাহেশ্বর সূত্র ক্রমানুসারে লেখ।

(গ) 'এচো হ্রস্বায়াবঃ' এই সূত্রটির উদাহরণসহ ব্যাখ্যা কর।

(ঘ) নিম্নলিখিত প্রয়োগগুলি থেকে সন্ধি করো :

(অ) মহা + ঋষিঃ (আ) পূর্ণঃ + চন্দ্রঃ (ই) তৎ + মাতরম্ (ঈ) মনস্ + রথঃ (উ) পৃথ্বী + ঈশ্বরঃ

(ঙ) 'যষ্ঠী শেষে' এই সূত্রের শেষ শব্দের অর্থ কি? সম্বন্ধমাত্রবিবক্ষা করলে অন্য করকগুলিতেও যষ্ঠী বিভক্তি হয় এটি উদাহরণ সহ আলোচনা কর।

(চ) অধিকরণ কয়প্রকার? প্রত্যেকটির উদাহরণ সহ ব্যাখ্যা কর।

৩। নীচের যেকোনো তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

১০×৩=৩০

- (ক) ১৮ প্রকারের অ-কার কিভাবে হয় সূত্র ও উদাহরণ সহ আলোচনা কর।
- (খ) লঘু সিদ্ধান্তকৌমুদী অনুযায়ী প্রগৃহ্যসংজ্ঞা বিষয়ে আলোচনা কর।
- (গ) ক্রিয়াতে স্বতন্ত্র ভাবে বিবক্ষিতের কি সংজ্ঞাপ্রাপ্ত হয়? লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুসারে প্রথমা বিভক্তি বিধায়ক 'প্রাতিপদিকার্থলিঙ্গপরিমাণবচনমাত্রে প্রথমা' এই সূত্রের ব্যাখ্যা কর।
- (ঘ) 'অকথিতঞ্চ' এই সূত্রের উদাহরণ সহ ব্যাখ্যা কর।
- (ঙ) লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী অনুসারে 'স্তোঃ শূনা শ্চুঃ' ও 'ষ্টুনা ষ্টু' এই সূত্র দুটির ব্যাখ্যা কর।

Vidyasagar University

